MAHD-02

December - Examination 2025
M.A. (Previous) Examination
HINDI SAHITYA
आधुनिक काव्य
Paper : MAHD-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   (i) 'साकेत' नामकरण किस स्थान का सूचक है?
   (ii) 'साकेत' महाकाव्य का प्रधान रस कौनसा है?
   (iii) जयशंकर प्रसाद का संबंध किस काव्य धारा से है?
   (iv) जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक उपनाम लिखें।
   (v) छायावाद का उपनिषद किस काव्य कृति को कहा जाता है?
   (vi) 'अनामिका' काव्य का प्रकाशन वर्ष बताइए।
   (vii) 'महादेवी वर्मा' का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
   (viii) सुमित्रानंदन पंत की सर्वश्रेष्ठ कृति का नाम लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

"हे भरतभद्र, अब कहो अभीप्सित अपना,
सब सजग हो गये, भंग हुआ ज्यों सपना।
हे आर्य, रहा क्या भरत–अभीप्सित अब भी?
मिल गया अकंटक राज्य उसे जब, तब भी?
पाया तुमने तरु–तले अरण्य बसेरा,
रह गया अभीप्सित शेष तदपि क्या मेरा?"

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

"श्रेय नहीं कुछ मेरा
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था
सुना आपने जो वह मेरा नहीं
न वीणा का था
वह तो सब कुछ की तथता थी
महाशून्य
वह महामौन
अविभाज्य, अनाप्त, अद्रवित, अप्रमेय
जो शब्दहीन
सब में गाता था।"

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

"हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन?
जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन!
स्फटिक–सौध में हो श्रृंगार मरण का शोभन,
नग्न, क्षुधातुर, वास–विहीन रहें जीवित जन?
मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति?
आत्मा का अपमान, प्रेत औ' छाया रति!!
प्रेम–अर्चना यही, करें हम मरण को वरण?
स्थापित कर कंकाल, भरें जीवन का प्रांगण?"

5. महादेवी वर्मा के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।
6. नई कविता में व्यक्त अभिव्यंजना कौशल पर प्रकाश डालिए।
7. क्रांतिकारी कवि निराला की काव्यगत विशेषताओं का निरूपण कीजिए।
8. नागार्जुन राजनीतिक व्यंग्य के कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।
9. 'रामदास' कविता का मूल प्रतिपादन प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–'स' 2×16=32

(दीर्घउत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. दिनकर राष्ट्रीय चेतना के कवि हैं। इस कथन की पुष्टि उनकी काव्य रचनाओं के आधार पर कीजिए।
11. हरिवंश राय बच्चन के काव्य की संवेदना और शिल्प की विवेचना कीजिए।
12. आधुनिक कविता के स्वरूप और विकास पर लेख लिखिए।
13. छायावादी चेतना की प्रतिनिधि 'कामायनी' है। कथन के आधार पर प्रसाद के काव्य सौष्ठव को निरूपित कीजिए।